एक्सप्रेसवे परियोजनाओं से सटे औद्योगिक नगरों के विकास के लिए बढ़े कदम

तीन एक्सप्रेसवे के किनारे 23 जिलों में 84 गांवों की जमीन अधिसूचित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डालर का आकार देने में लगी योगी सरकार इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य को हासिल करने के लिए एक्सप्रेसवे परियोजनाओं के जरिये औद्योगिकीकरण को रफ्तार देना चाहती है। इसके लिए सरकार एक्सप्रेसवे के किनारे औद्योगिक नगरों को विकसित करने की योजना पर काम कर रही है। सरकार ने तीन एक्सप्रेसवे परियोजनाओं के किनारे 23 जिलों के 84 गांवों की जमीन को अर्जित करने के लिए अधिसूचना जारी कर दी है। औद्योगिक विकास विभाग की ओर से जारी की गई अधिसूचना में गंगा, पूर्वांचल और बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे परियोजनाओं के किनारे जमीन अधिग्रहीत करने का इरादा जताया गया है।

अधिसूचना जारी होने के बाद यूपीडा इन गांवों की जमीन अधिग्रहीत करेगा और वहां उद्योगों की स्थापना के लिए बुनियादी ढांचा विकसित करेगा। इसके बाद उद्यमियों को उद्योगों की स्थापना के लिए उनकी पसंद के अनुसार भूखंड दिए जाएंगे। इन औद्योगिक नगरों में खाद्य प्रसंस्करण व कृषि आधारित उद्योग, दुग्ध प्रसंस्करण, इलेक्ट्रानिक उपकरण, मशीन निर्माण, दवा, कपड़ा और रसायन से जुड़े उद्योग स्थापित किए जाएंगे।

गंगा एक्सप्रेसवे के किनारे मेरठ की सदर तहसील के बिजौली व

खरखौदा, हापुड़ की गढ़मुक्तेश्वर तहसील के भैना सदरपुर, चुचावली व वहापुर ठेरा, अमरोहा की हसनपुर तहसील के मंगरौला, रुस्तमपुर खादर व दौलतपुर कलां, संभल की सदर तहसील के खिरनी मोहिउद्दीनपुर, बसला व बहादुरपुर सराय उर्फ रामपुर व अझरा, बदायूं की सदर तहसील के औरंगाबाद माफी, घटपुरी व कुतुबपुर थरा, शाहजहांपुर की जलालाबाद तहसील के गुलड़िया, हरदोई की सवायजपुर तहसील के कौशिया, सरसई, दिवनियापुर सरसई व सेमरझाला, उन्नाव की सदर तहसील के मुर्तजानगर, सोनिक व सराय कटियान, रायबरेली की डलमऊ तहसील के ऐहार, रंनमऊ व सुल्तानपुर जाला, प्रतापगढ़ की कुंडा तहसील के प्रतापपुर चेरगढ़ व गुजवर और प्रयागराज की सोरांव तहसील के माधोपुर मलाक चेतुरी, जूडापुर डांडू, बारी और सराय लालखातून उर्फ शिवगढ़ गांव को यूपीडा में शामिल करने के लिए अधिसूचित किया गया है।

बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के किनारे औद्योगिक नगरों को विकसित करने के लिए चित्रकूट की कर्वी तहसील के गोंडा, अकबरपुर (ब) व पहरा, बांदा की सदर तहसील के महोखर, जमालपुर व बरगहनी, हमीरपुर की राठ तहसील के इंगुही व धनौरी, महोबा की सदर तहसील के खन्ना, जालौन की उरई तहसील के कुसमिलिया, डकोर व टिमरों तथा औरैया की सदर तहसील के मिहौली व निगड़ा गांवों में शामिल क्षेत्र को अधिसूचित किया गया है।

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के किनारे लखनऊ की मोहनलालगंज तहसील के कासिमपुर बिरूहा व चांद सराय, बाराबंकी की हैदरगढ़ तहसील के बम्हरौली, सतरही, घरकुईया, पिछारूआ, बहरामपुर व अन्दऊमऊ, अमेठी की मुसाफिरखाना तहसील के सेवरा, हुसेनपुर, सिधियावां व ऊंचगांव, सुलतानपुर की जयसिंहपुर तहसील के कारेबन, महमूदपुर सेमरी, लठवा, कल्यानपुर, विशुनदासपुर, चांदपुर, चिरानेडीह, सवई, अमिलिया सिकरा व सेमरी, गाजीपुर की मुहम्मदाबाद तहसील के चकबाला, चकडुमरिया, अवथही बसंत, बघौरी टी.सोनारी, चकभिखू, महेशपुर, चकवाजिदपुर, मच्छटी, सौनाड़ी, चकफातमा, चक गिरधरिया, भोपतपुर मु.सोनारी व जगदीशपुर टी.महती तथा अंबेडकरनगर की अकबरपुर तहसील के जगदीशपुर मुस्लिमपुर, खानजहांपुर व बेवाना गांव शामिल हैं।